SRI KRISHNADEVARAYA UNIVERSITY:: ANANTAPURAMU

UG CBCS SYLLABUS
VI Semester
(2017-2018)

B.A. ADVANCE HINDI

VI SEMESTER- SYLLABUS

(AS PER CBCS AND SEMESTER SYSTEM)

III YEARS

w.e.f. 2017-2018

AP STATE COUNCIL OF HIGHER EDUCATION
CBCS - PATTERN FOR ADVANCE HINDI

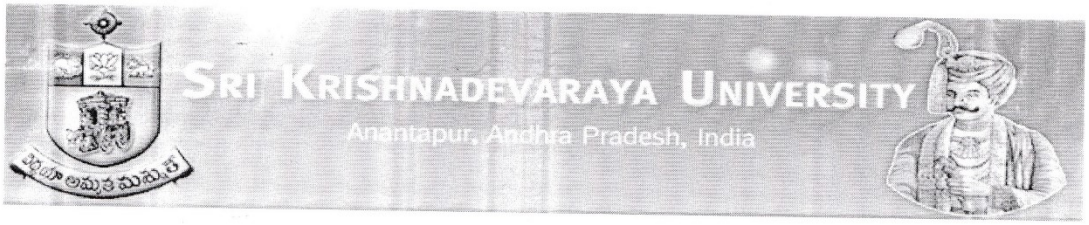

UG CBCS SYLLABUS
VI SEMESTER
2017-2018

B.A ADVANCED HINDI

VI SEMESTER SYLLABUS

(AS PER CBCS AND SEMESTER SYSTEM)
III YEARS

w.e.f. 2017-2018

CBCS PATTERN FOR ADVANCED HINDI

Andhra Pradesh State
Council Of Higher Education

SRI KRISHNADEVARAYA UNIVERSITY:: ANANTAPURAMU

B.A Advanced Hindi Syllabus under CBCS

3RD YEAR

Syllabus Effective from 2015–16 (Revised in April, 2016)

Overall Structure of the Syllabus/Curriculum

Year	Semester	Paper	Category	Hrs/wk	Credits	Marks	Internal	External
1	I	I	Core	5	4	100	25	75
	II	II	Core	5	4	100	25	75
2	III	III	Core	5	4	100	25	75
	IV	IV	Core	5	4	100	25	75
3	V	V	Core	5	4	100	25	75
		VI	Core	5	4	100	25	75
	VI	VII	Elective (A) or (B) or (C)	5	4	100	25	75
		VIII	Cluster Electives (A1+A2+A3) or (B1+B2+B3) or (C1+C2+C3)	5	4	100	25	75
				5	4	100	25	75
				5	4	100	25	75

Note: Student Activities like Practice, Analysis, Reviews, Seminars, Assignments, Group Discussions, Case studies, Fieldwork, Surveys, Study Projects, Models and Watching videos are Part of Curriculum in all papers. The teacher shall identify appropriate activities for each unit and assign them to the students for improving domain skills.

SRI KRISHNADEVARAYA UNIVERSITY :: ANANTAPURAM

ADVANCED HINDI - CBCS SYLLABUS

FOR SIXTH SEMESTER - 2017-2018

PAPER:VII

GENERAL ELECTIVES

१. कला और साहित्य

२. पाश्चात्य दार्शनिक चिंतन और हिन्दी साहित्य

३. आधुनिक भारतीय साहित्य

(उपर्युक्त में से कोई दो पाठ्यक्रम चुने)

१. कला और साहित्य

- कला और साहित्य का अंतस्संबंध
- कला और समाज का अंतस्संबंध
- कला में दीर्घजीविता के तत्त्व और उपकरण
- भारतीय कला का विकास
- कला और हिन्दी साहित्य के सम्बन्ध की परंपरा
- लोक ट्ट कला और साहित्य
- साहित्य के मूल्यांकन में कला का महत्त्व
- भारतीय नाट्य कला

२. पाश्चात्य दार्शनिक चिंतन और हिन्दी साहित्य

- अभिव्यंजनावाद
- स्वच्छंदतावाद
- अस्तित्ववाद
- मनोविश्लेषणवाद
- मार्क्सवाद
- आधिनिकतावाद
- संरचनावाद
- कल्पना, बिंब , फंटेसी
- मिथक एवं प्रतीक

३ आधुनिक भारतीय साहित्य

- स्वाधीनता संग्राम और भारतीय नवजागरण तथा उसका भारतीय साहित्य पर प्रभाव
- भारतीय साहित्य और राष्ट्रीयता
- महात्मा गांधी और महर्षि अरविंद का भारतीय साहित्य पर प्रभाव
- मार्क्सवाद एवं अस्थित्ववाद का भारतीय साहित्य पर प्रभाव
- पाठ्य पुस्तकें (उपन्यास)

  आनंद मठ – बंकिम चंद्र

  मृत्युंजय – शिवाजी सावंत

  आवरण – भैरप्पा

- गुरुजाड अप्पाराव की कविताएं – देशभक्ति कवितलु

SRI KRISHNADEVARAYA UNIVERSITY:: ANANTAPURAM

ADVANCED HINDI – CBCS SYLLABUS

FOR SIXTH SEMESTER – 2017-2018

PAPER VIII: CLUSTER ELECTIVE PAPERS

१. हिन्दी गद्य साहित्य २. हिन्दी व्याकरण और संप्रेषण ३. हिन्दी भाषा और संप्रेषण	हिन्दी गद्य और भाषा संप्रेषण -1
४. कार्यालय हिन्दी ५. भाषा शिक्षण ६. अनुवाद विज्ञान	कार्यालय हिन्दी और भाषा शिक्षण -2
७. संभाषण कला ८. भाषा कम्प्यूटिंग ९. प्रयोजनपरक हिन्दी	संभाषण और कम्प्यूटिंग-3

१. हिन्दी गद्य साहित्य

- उपन्यास : त्यागपत्र
- कहानी : नमक का दारोगा – प्रेमचंद
  आकाशदीप – जयशंकर प्रसाद
  परदा – यशपाल
  वापसी – उषा प्रियंवदा
- निबंध : लोभ और प्रीति – रामचंद्र शुक्ल
  सदाचार का तावीज़ – हरिशंकर परसाई

२. हिन्दी व्याकरण और संप्रेषण

- हिन्दी व्याकरण एवं रचना – संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया एवं अव्यय का परिचय। उपसर्ग, प्रत्यय तथा समास। पर्यायवाची शब्द, विलोम शब्द, अनेक शब्दों के लिए एक शब्द, शब्द शुद्धि, वाक्य शुद्धि, मुहावरे और लोकोक्तियां, पल्लवन एवं संक्षेपण।
- संप्रेषण की अवधारणा और महत्त्व
- संप्रेषण के प्रकार
- संप्रेषण के माध्यम
- संप्रेषण की तकनीक
- अध्ययन, वाचन एवं चर्चा : प्रक्रिया एवं बोध
- साक्षात्कार, भाषण कला एवं रचनात्मक लेखन

३. हिन्दी भाषा और संप्रेषण

- भाषा की परिभाषा, प्रकृति एवं विविध रूप
- हिन्दी भाषा की विशेषताएं : क्रिया, विभक्ति, सर्वनाम, विश्लेषण एवं अव्यय संबंधी ।
- हिन्दी की वर्ण ट्ट व्यवस्था: स्वर एवं व्यंजन
- स्वर के प्रकार : ह्रस्व, दीर्घ और संयुक्त ।
- व्यंजन के प्रकार : स्पर्श, अन्तस्थ, ऊष्म, अल्पप्राण, महाप्राण, घोष तथा अघोष
- वर्णों का उच्चारण स्थान : कण्ठ, तालव्य, मूर्धन्य, दन्त्य, ओष्ठ्य तथादन्तोष्ठ्य
- बलाघात, संगम, अनुतान तथा संधि ।
- भाषा संप्रेषण के चरण ; श्रवण, अभिव्यक्ति, वाचन तथा लेकन ।
- हिन्दी वाक्य रचना, वाक्य और उपवाक्य । वाक्य भेद । वाक्य का रूपान्तर ।
- भावार्थ और व्याख्या, आशय लेखन, विविध प्रकार के पत्र लेखन ।

४. कार्यालय हिन्दी

- हिन्दी भाषा के विभिन्न रूप ट्ट राष्ट्रभाषा, राजभाषा और जनभाषा ।
- शिक्षण माध्यम ट्ट भाषा, संचार भाषा, सर्जनात्मक भाषा, यांत्रिक भाषा ।
- राजभाषा का स्वरूप, भारतीय संविधान में राजभाषा संबंधी परिनियमावली का सामान्य परिचय, राजभषा के रूप में हिन्दी के समक्ष व्यावहारिक कठिनाइयों एवं संभावित समाधान ।
- टिप्पण (नोटिंग), प्रारूपण /आलेखन (ड्राफ्टिंग), पल्लवन, संक्षेपण ।
- विभिन्न प्रकार के पत्राचर, प्रशासनिक पत्रावली की निष्पादन प्रक्रिया ।
- पारिभाषिक शब्दावली ।
- कार्यालयी प्रयोजनों में विभिन्न यांत्रिक उपकरणों का अनुप्रयोग कम्प्यूटर, लैपटॉप, टैबलेट, टेलीप्रिंटर, टेलेक्स, वीडियो कान्फ्रेंसिंग ।

५. भाषा शिक्षण

- हिन्दी भाषा एवं शब्द भण्डार ट्ट तत्सम, तद्भव, देशज, विदेशज, कृत्रिम ।
- प्रतीक भाषा मिथकीय भाषा, मूक ट्टबधिर भाषा, ब्रेल लिपि प्रशिक्षण ।
- भाषिक प्रशिक्षण के विभिन्न स्तर ट्ट प्रारंभिक कक्षाओं में, उच्च शिक्षा संस्थानों मे, हिन्दीतर भाषियों, विभाषियों ट्ट विदेशियों के बीच द्वितीय भाषा के रूप में ।
- भाषा विज्ञान के मूलाधार ट्ट व्याकरण बोध, मानक वर्तनी का ज्ञान, शुद्ध वाक्य विन्यास, वैज्ञानिक उच्चारण, मानकीकृत देवनागरी लिपि का अभ्यास ।
- पर्यायवाची, समानर्थक, विलोम, गूढार्थवाची, समश्रुत, अनेक शब्दों के लिए एक शब्द युग्म ।
- देवनागरी लिपि का इतिहास तथा वैशिष्ट्य, देवनागरी की वैज्ञानिकता, कम्प्यूटरीकरण की दृष्टि से संक्षेपण, संशोधन की आवश्यकता ।
- हिन्दी का अनुप्रयोगात्मक व्यकरण ।
- शैली विज्ञानर– आरंभिक परिचय ।
- हिन्दी भाषा के विशिष्ट शब्दों का भारतीय भाषाओं के संदर्भ में तुलनात्मक अध्ययन ।
- हिन्दी भाषा का भविष्य ।

6. अनुवाद विज्ञान

- अनुवाद का तात्पर्य, अनुवाद के विभिन्न प्रकार ट्ट भाषान्तरण, सारानुवाद तथा रूपान्तरण में साम्य ट्ट वैषम्य । अनुवाद के प्रमुख प्रकार ट्ट कार्यालयी, साहित्यिक, ज्ञान – विज्ञानपरक, विधिक, वाणिज्यिक ।
- अनुवाद के शिल्पगत भेक अविकल अनुवाद(लिटरल), भावानुवाद/ छायानुवाद, आशु अनुवाद, डबिंग, कम्प्यूटर अनुवाद ।
- साहित्यिक अनुवाद के प्रमुख रूप – काव्यानुवाद, कथानुवाद, नाट्यानुवाद ।
- अनुवाद में पर्यवेक्षण (वेटिंग) की भूमिका ।
- वैज्ञानिक तकनीकी शब्दावली का अनुवाद, मुहावरों /लोकोक्तियों का अनुवाद संक्षिप्ताक्षरों तथा कूटपदों का अनुवाद, आंचलिक शब्दावली का अनुवाद, व्यंजनापरक लाक्षणिक पद प्रयोगों का अनुवाद ।
- अनुवाद की सम्पादन प्रविधि ।
- अनुवादक की अर्हता और सफल अनुवाद के अभिलक्षण ।
- विश्व भाषाओं की प्रमुख कृतियों के हिन्दी अनुवाद एवं हिन्दी की प्रमुख कृतियों के विश्वभाषाओं में किये गये अनुवाद ।
- भारत में अनुवाद प्रशिक्षण के प्रमुख केन्द्र, के राष्ट्रीय प्राधिकरण के गठन की आवश्यकता ।
- हिन्दी अनुवाद का भविष्य ।

7. संभाषण कला

- संभाषण का अर्थ । संभाषण के विभिन्न रूप – वार्तालाप, व्याख्यान, वाद–विवाद, एकलाप, अवाचिक अभिव्यक्ति, जन संबोधन ।
- जन संपर्क में वाक कला की उपयोगिता ।
- संभाषण कला के प्रमुख उपादान – यथेष्ट भाषा ज्ञान, मानक उच्चारण, सटीक प्रस्तुति, अन्तराल ध्वनि (वाल्यूम),वे ग, लहजा (एक्सेंण्ट)
- संभाषण कला के विभिन्न रूप, उद्घोषणा कला (अनाउन्सेमेंट), आंखों देखा हाल (कमेन्ट्री), संचालन (एंकरंग), वाचन कला, समाचार वाचन (रेडियो, टी.वी) मंचीय वाचन (कविता, कहानी, व्यंग्य आदि)
- वाद– विवाद प्रतियोगिता एवं समूह संवाद ।

- लोक प्रशासन, जनसम्पर्क एवं विपणन के विकास में संभाषण कला का योगदान ।
- संवादी भाषा (क नवर्सेशनल लैंग्वेज) के रूप में हिन्दी की भाष्यक संवेदना की विवेचना ।

८. भाषा कम्प्यूटिंग

- कम्प्यूटर प्रबंधन – हार्डवेयर, सॉफ्टवेयर, प्रमुख एप्लीकेशन पैकेज, वेबसाइट, ई – मैल, वेब सर्फिंग ।
- इलेक्ट्रानिक मीडिया, सी.डी.मोबाइल और किंडल, मैग्जीन का निर्माण ।
- मल्टीमीडिया की कार्य प्रणाली ।
- कम्प्यूटर में डाटा प्रविष्टि, स्मृति(मेमोरी), सूचना संग्रहण ।
- कम्प्यूटर मुद्रण ।
- सूचना प्रौद्योगिकी की प्रयोजनीय शब्दावली ।
- संचार भाषा के रूप में हिन्दी की उपलब्धियां ।
- कम्प्यूटर में हिन्दी के विभिन्न अनुप्रयोग ।
- कम्प्यूटर अनुवाद ।
- रेडियो और टेलीविजनक कम्प्यूटर साधित कार्यक्रम ।

९. प्रयोजनपरक हिन्दी

- प्रयोजनपरक हिन्दी : अवधारण और विविध क्षेत्र
- प्रयोजनपरक हिन्दी के सर्जनात्मक आयाम

माध्यम लेखन :

- विविध संचार माध्यम : परिचय एवं कार्यविधि
- श्रव्य माध्यम : रेडियो
- श्रव्य – दृश्य माध्यम : टेलिविज़न और फिल्म
- तकनीकी माध्यम : इंटरनेट
- मिश्र माध्यम : विज्ञापन
- समाचार पत्र

- संचार माध्यमों की प्रकृति और चरित्र
- रेडियो – लेखन : उदघोषणा, कार्यक्रम – संयोजन (कंपेयरिंग) समाचार, धारावाहिक, फीचर, रिपोर्ट, रेडियो नाटक, अवयव, रूप और प्रविधि ।

- इंटरनेट : सामाग्री – सृजन, संयोजन एवं प्रेषण ।

अनुवाद :

- अनुवाद की परिभाषा, स्वरूपऔर महत्त्व
- अनुवाद के प्रकार

Syllabus Approved by

(M.V.L. Narasimham) /12/2017
BOS, Dept of Hindi.
P.S. Govt Degree College
PENUKONDA

SRI KRISHNADEVARAYA UNIVERSITY :: ANANTAPURAM
ADVANCED HINDI (CBCS)
Model Papers for Electives and Cluster
SIXTH SEMESTER - 2017-2018

Time:3 hours] Max.Marks [75

I. Answer any Five of the following 5 X 5 = 25

1.
2.
3.
4.
5.
6.
7.
8.

II. Answer all the following questions. 5 x 10 = 50
(Each question is choice based)

1. .....or .....
2. .....or .....
3. ..... Or .....
4. ..... or .....
5. .....or .....